दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-167
मुरादाबाद
(Monday)
07 October 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने महाकुंभ के लोगो का किया अनावरण, साधु-संतों के साथ की बैठक, तैयारियों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रयागराज पहुंच गए। महाकुंभ-25 के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण, वेबसाइट और ऐप लांच करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीआईपी घाट से स्पेशल बोट द्वारा संगम निरीक्षण के लिए निकल गए। उनके साथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह राकेश सचान और नंद गोपाल गुप्ता नंदी हैं। सीएम रविवार को महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने प्रयागराज पहुंचे हैं। संतों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने शुरू की समीक्षा मंगलाचरण और स्वस्तिवाचन के साथ रविवार को दिन के 11:23 बजे परेड मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साधु संतों की महाकुंभ मेले की तैयारी को लेकर बैठक शुरू हो गई। सबसे पहले अफसरों ने स्वागत किया। साथ ही अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारियों और प्रमुख साधु संतों का स्वागत अभिनंदन किया। अखाड़े ने कुंभ मेले की बसावट के साथी बजरी कारण न करने भूमि सुविधाएं बढ़ाने संत भक्त निवास के लिए पिछले कुंभ की तुलना में दोगुना अधिक बजट प्रदान करने का प्रस्ताव रखा।महाकुंभ की तैयारी के लिए 13 हो अखाड़े के साथ दंडीवाडा, आचार्य वाड़ा, प्रयागवाल सभा तीर्थ पुरोहितों के अलावा बैरागी, संन्यासी, वैष्णव संतों के प्रमुख पीठाधीश्वर परेड मैदान स्थित सीएम की बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं।इनके अलावा खास चौक के भी संत अपने पूरे जमात के साथ पहुंचे हैं । अखाड़ा परिषद के पदाधिकारिओं के साथ सीएम मुलाकात भी करेंगे।सीएम ने संगम और अक्षयवट का किया निरीक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिहं, राकेश सचान और नंद गोपाल गुप्ता नंदी के साथ स्पेशल बोट से संगम का निरीक्षण किया। करीब एक घंटे तक उन्होंने विभिन्न कार्यों ा जायजा लिया और घाटों की स्थिति देखी साथ कुंभ को लेकर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया।इसके बाद वह वीआईपी घाट पर पहुंचे और फिर अक्षयवट के लिए निकल गए। सीएम ने हनुमान मंदिर कॉरिडोर और अक्षयवट कॉरिडोर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। सीएम ने किया मां गंगा का पूजनमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम पर गंगा पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा का पूजन कर आरती उतारी। मंत्री और अन्य नेताओं ने भी गंगा जी का पूजन अर्चन किया। वेबसाइट और ऐप लॉच करेंगे सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने के बाद जनप्रतिनिधियों के साथ महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। सीएम ने महाकुंभ-2025 के लोगो का अनावरण, वेबसाइट http://kumbh.gov.in और ऐप Mahakumbhmelaw®wz को लांच किया। महाकुंभ-25 के लोगो का प्रयोग महाकुंभ की वेबसाइट और ऐप के साथ अन्य प्रचार माध्यमों में भी किया जाएगा।इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राकेश सचान, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक हर्षवर्धन, गुरुप्रसाद, पीयूष रंजन, महापौर गणेश केसरवानी आदि रहे। सीएम योगी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स पर भी साधु संतों के साथ बैठक और लोगो के अनावरण का वीडियो साझा किया है। महाकुंभ की वेबसाइट और ऐप श्रद्धालुओं व पर्यटकों के वायु, रेल व सड़क मार्ग से महाकुंभ पहुंचने में सहयोग करेगा। इसके माध्यम से प्रयागराज में आवासीय सुविधा, परिवहन, पार्किंग, मंदिरों तक पहुंचने की जानकारी मिलेगी। इसमें स्थानीय और आस-पास के आकर्षण और पर्यटन स्थलों की भी जानकारी होगी। श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र, आवास और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों तक आसानी से पहुंचने के लिए गूगल नेविगेशन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के अलर्ट भी इसके माध्यम से मिलेंगे।प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री बड़े हनुमानजी के दरबार में पहुंचकर दर्शन पूजन किया। मंदिर पहुंचने पर महंत बलवीर गिरि ने योगी का स्वागत किया। इसके बाद सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवन पुत्र हनुमानजी की पूजा अर्चना करने के बाद आरती उतारी। सीएम योगी ने मां गंगा का पूजन किया। दौरान सतुआ बाबा समेत तमाम साधु संत और तीर्थ पुरोहित मौजूद रहे। परेड ग्राउंड में बने हेलीपैड पर करीब दस बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उड़नखटोला उतरा। यहां पर महापौर गणेश केसरवानी, सांसद प्रवीण पटेल, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, पीयूष रंजन निषाद, गुरु प्रसाद मौर्य, हर्षवर्धन बाजपेयी आदि ने स्वागत किया। कुंभ के कार्यों का उन्होंने जायजा लिया। सीएम योगी ने कार्यों को समय से पूरा करने का निर्देश दिया।

बाढ़ के कारण आई समस्याओं के बारे में भी अधिकारियों ने सीएम को अवगत कराया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय के सभागार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और साधु- संतों के साथ बैठक की। संतों ने सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर कई मांगें सीएम योगी के सामने रखीं।

संक्षिप्त समाचार

अब कोई अभया न हो, ये हमारी जिम्मेदारी, अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे डॉक्टर्स अपनी मांगों पर अड़े

धरने पर बैठी एक जूनियर डॉक्टर ने कहा कि %जब तक हमारी न्याय की मांग नहीं मानी जाती तब तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। अभया के साथ जब दुष्कर्म हुआ और उसकी हत्या हुई, उससे पहले उसे कई बार धमकियां मिलीं।%आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के विरोध में और अपनी मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टर्स का विरोध प्रदर्शन अब अनिश्चितकालीन धरने में बदल गया है। इससे पहले डॉक्टर्स ने राज्य सरकार को उनकी मांगों पर अमल करने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया था, लेकिन जब सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो डॉक्टर्स ने शनिवार रात साढ़े आठ बजे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।धर्मतला में धरने पर बैठी एक जूनियर डॉक्टर ने कहा कि %जब तक हमारी न्याय की मांग नहीं मानी जाती तब तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। अभया के साथ जब दुष्कर्म हुआ और उसकी हत्या हुई, उससे पहले उसे कई बार धमकियां मिलीं। कोई भी अभया हो सकता है। ऐसे में ये हमारी जिम्मेदारी है कि अब कोई और अभया न हो। एक तरह हम भूख हड़ताल कर रहे हैं और दूसरी तरफ हम देख रहे हैं कि एक और नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हो गई है। आरजी कर की घटना के बाद कई ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। हम सभी डॉक्टर्स धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और सिर्फ छह ड्यूटी कर रहे हकसी मरीज को परेशानी न हो।

'डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट, यूपी में सात साल से यही हो रहा', भाजपा पर बरसे केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट है। यूपी में पिछले सात साल से डबल इंजन की सरकार है, लेकिन फेल है। आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में %जनता की अदालत% कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता को संबोधित करते हुए

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता का प्यार, समर्थन और विश्वास ही मेरी ईमानदारी का प्रमाण बनेगा। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट है। यूपी में पिछले सात साल से डबल इंजन की सरकार है, लेकिन फेल है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, %इनकी (भाजपा) 22 राज्यों में सरकारें हैं। आप इनसे पूछना कि वे एक राज्य बता दें, जहां उन्होंने बिजली फ्री की हो...गुजरात में इनके 30 साल से सरकार है। उन्होंने एक भी स्कूल ठीक नहीं कराया...22 राज्यों में इनकी सरकारें हैं, एक काम ये बता दें जो इन्होंने अच्छा काम किया हो। अगली साल 17 सितंबर को पीएम मोदी रिटायर हो जाएंगे। मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप इन एक साल में 22 राज्यों में कोई ऐसा काम करके दिखा दीजिए जो दिल्ली में हुए हैं...10 साल में इन्होंने कुछ नहीं करा।% केजरीवाल ने कहा, %जब आप रिटायर होंगे तो सब ये तो सोचेंगे कि आपने 10 साल तो कुछ नहीं किया, लेकिन 11वें साल में तो कुछ किया। आज मैं पीएम मोदी को कहता हूं कि फरवरी में दिल्ली के चुनाव हैं। फरवरी के पहले इन 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दीजिए, मैं दिल्ली की चुनाव में मोदी जी का प्रचार करूंगा।% जनता की अदालत कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की सीएम और आप नेता आतिशी ने कहा, %%दिल्ली ही एक ऐसी जगह है, जहां भीषण गर्मी में भी 24 घंटे बिजली मिलती है और फिर भी बिल जीरो आता है, ये अरविंद केजरीवाल की दिल्ली है। भाजपा एक गरीब विरोधी पार्टी है और गरीबों को परेशान करती है। पिछले कुछ वर्षों से भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली भर में झुग्गियों को एक-एक करके ध्वस्त कर रही है, भाजपा ने छह महीने पहले वृद्धावस्था पेंशन बंद कर दी थी।

सांसद इकरा हसन बोलीं, यति नरसिंहानंद पर हो यूएपीए के तहत कार्रवाई, नबी की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं

गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी करने पर देशभर में गुस्सा जाहिर किया जा रहा है। सपा सांसद इकरा हसन ने वीडियो जारी कर विरोध दर्ज कराया है।पैगंबर मोहम्मद साहब सल्लल्लाहूअलैहीवसल्लम की शान में गुस्ताखी करने वाले यति नरसिंहानंद पर सपा की लोकप्रिय सांसद इकरा हसन ने नफरती बीज बौने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकारों से नरसिंहानंद पर यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्रवाई करने की मांग की है।गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी करने पर देशभर में उनके खिलाफ गुस्सा जाहिर किया जा रहा है। कैराना लोकसभा से सपा सांसद इकरा हसन ने वीडियो जारी कर विरोध दर्ज कराया है। सांसद ने कहा कि यति नरसिंहानंद जैसे ढोंगी, पाखंडी लोगों ने एक बार फिर अपनी गंदी जुबान से नफरत का जहर उगला है और हमारे प्यारे नबी की शान में गुस्ताखी की है, जो हम सबके लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। प्यारे नबी जो पूरी दुनिया के लिए रहमत और शांति का पैगाम लेकर आए थे, उनकी शान में यह अपनी गंदी जुबान से गुस्ताखी कर रहा है। जो हर अमन पसंद हिन्दुस्तानी चाहे वो हिंदू हो या मुसलमान, सब के लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। उन्होंने कहा कि यह हर बार अपनी जुबान से नफरत का बीज बोकर कानून से बच जाता है, क्योंकि राज्य सरकारें ईमानदारी से अपना फर्ज नहीं निभा पा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र व राज्य सरकारों के जिम्मेदारों से यह कहना चाहती हूं कि अब उनका ढुलमुल रवैया नहीं चलेगा। यति नरसिंहानंद और इन जैसे झूठे पाखंडियों के खिलाफ दिखावटी कार्रवाई ना की जाए, बल्कि हेट स्पीच, यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्रवाई हो, ताकि कोई भी भविष्य में ऐसी जुर्रत ना कर सकें। हम संसद व सुप्रीम कोर्ट में हर मुमकिन कार्रवाई करेंगे। अपना विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान ने जो हमें सिर उठाकर जीने का अधिकार दिया है, उसे हम लेकर रहेंगे, चुप नहीं बैठेंगे।

'एक साथ चुनाव असांविधानिक नहीं', रामनाथ कोविंद बोले- अंतिम निर्णय लेगी संसद

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री की स्मृति में आयोजित व्याख्यान देते हुए कहा कि 1967 तक पहले चार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे, फिर एक साथ चुनाव कराने को असांविधानिक कैसे कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्गों का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने का विचार असांविधानिक है, लेकिन यह सच नहीं है, क्योंकि संविधान निर्माताओं का भी यही विचार था। एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर गठित समिति के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि यह असांविधानिक नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि कार्यान्वयन समिति, पर विचार करेगी और उसके बाद संसद अंतिम निर्णय लेगी। पूर्व राष्ट्रपति हुए कहा कि 1967 तक पहले चार लोकसभा और विधानसभा चुनाव जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्गों का कहना है कि एक साथ संविधान निर्माताओं का भी यही विचार था। उन्होंने कहा कि निर्वाचन है।रामनाथ कोविंद ने कहा कि वास्तव में एक साथ चुनाव कराने से तक एक साथ काम करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि %एक राष्ट्र, एक है। यह धारणा बन गई है कि इसके तहत केवल एक ही चुनाव होगा और विधानसभाओं और स्थानीय निकायों- नगर पालिकाओं और पंचायतों एक ही समय में चुनाव हो और पांच साल तक एक साथ काम किया जा उच्च स्तरीय समिति को ज्ञापन दिया है। इसमें 32 ने एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अतीत में किसी न किसी बिंदु पर एक साथ चुनाव के विचार का समर्थन किया है।

एक साथ चुनाव कराने का विचार संविधान निर्माताओं का था, इसलिए एक देश एक चुनाव को लागू करने के लिए विभिन्न सांविधानिक संशोधनों कोविंद ने दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री की स्मृति में आयोजित व्याख्यान देते एक साथ हुए थे, फिर एक साथ चुनाव कराने को असांविधानिक कैसे कहा चुनाव कराने का विचार असांविधानिक है, लेकिन यह सच नहीं है, क्योंकि आयोग सहित कई संस्थाओं ने अतीत में इस अवधारणा का समर्थन किया संघवाद को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि तीनों स्तर की सरकारें पांच साल चुनाव% एक लोकप्रिय मुहावरा है, जिसकी कुछ लोगों ने गलत व्याख्या की आगे कोई चुनाव नहीं होगा।उन्होंने बताया कि अवधारणा लोकसभा, राज्य के लिए एक साथ चुनाव कराने की है, ताकि शासन के सभी तीन स्तरों पर सके। पूर्व राष्ट्रपति ने बताया कि 47 राजनीतिक दलों ने उनके नेतृत्व वाली कराने का समर्थन किया है। इसके अलावा 15 दल एक साथ चुनाव कराने

संपादकीय Editorial

Dr. Pinky from begging to the future

She was born in an environment of begging, but when she got the support of a social service organization to move forward, she saw a sparkle in her eyes and the path to the future. The hands that held a begging bowl till yesterday, today with a stethoscope have become the identity of the medical profession. The character of this amazing success story is Dr. Pinky Haryan. A daughter who returned from the slums of Dharamshala after studying medicine from a medical college in China. She made her hunger her future, made humanity walk on her own footsteps. This is a story whose lessons are personal as well as social. It brings out the reality of national policies, programs and environment. 'How many mirrors must have broken every moment where your picture would have been complete.' Today, even the begging grains must have felt proud, when Dr. Pinky's journey came in front of them. She walked in the streets of McLeodganj with her hands outstretched to beg, but Tonglen Charitable Trust taught her to walk with life. A journey of twenty years took a four and a half year old girl from a hut in a Dharamshala to the top of the medical world. This is not a mere coincidence, not a labour, not a record, but an attempt to light the lamp of life. The darkness of Pinky's life still resides in the slums of the country, but no institution like 'Tonglen' reached there nor did the dreams change there. The foundation of dreams between Pinky and Dr. Pinky, the will to move forward and the pledge to study and shape life brought forth all the tests and results of the last two decades. Actually, this work has been going on since independence. The goals of the governments have always stood with many options and solutions in front of the light of upliftment and the shackles of society under the scorching sun, but where the efforts become exemplary on a non-governmental platform, the directions change. An unimaginable power transformed the compulsion to fill the stomach into a desire to move ahead. The country is providing free ration to end the hunger of 80 crore people, but will Pinky be able to achieve her dreams of success there? Are Pinky's dreams possible in a simple, social and national perspective? Are we showing the path to make every child of government school a Pinky? Tonglen made this difference. The organization taught the slum to smell good away from all addictions, as a result a small diya named Pinky is now shining like the sun. There will be more such stories and examples of extraordinary successes are no less, but here the character is asking us questions. He is asking the situation of Disha that why don't we look into such scenarios and despite the echo of our policies, why is the country still standing helpless and crippled in Dharavi, the world's largest slum. Jamyang, the director of Tonglen Charitable Trust in India, has proved that pearls can be picked even from poverty and hunger. What is important is the mental change of the children and the eagerness to achieve something amidst the struggle. This is also visible in the achievements of the country, but there the doors are different. Many societies within the society and many countries within the country are still divided. Even today, to reach the national level selection examinations, the upbringing of that strong society continues, which had the capability even yesterday and is still the platform of economic capability today. On national occasions, the important posts, objectives and possibilities of the country still dwarf a large section of the society. Even today, political philosophies are being written in the noise of caste counting, but when Guru Jamyang held the hand of Pinky who was begging, neither her caste nor her religion was asked. She was not given any reservation, rather the eyes were filled.

Navratri, the festival of worship of Shakti, pleases the mother by doing dandiya

♦ Twinkle Advani
Bilaspur, Chhattisgarh

Navratri, the festival of worship of Shakti, is celebrated with great pomp not only in the country but also abroad. Nature changes its form in these 9 days. A different aura is seen in the environment. The word Navratri means Navratri. Our sages have considered night to be more important for success. That is why Shivratri, Diwali, Holika and Navratri are celebrated at night only. In these 9 days, Tamoguni nature is worshipped for the first three days, Rajoguni nature for the second three days and nature is worshipped for the last three days. In these 9 days, the mind, body and soul are purified. Spiritual power increases. Nowadays Navratri is celebrated in every city, especially among the youth, its enthusiasm is worth seeing. Garba is special in this. The word Garba originated from Gujarat. It is mentioned in the stories that in Gujarat, the demon Mahishasur had a boon that no god could kill him. When she did a lot of penance and got a boon, she felt that no woman can challenge her. Tired of her increasing atrocities, Brahma, Vishnu, Mahesh prayed to the Goddess for protection. Then the Goddess appeared and fought with Mahishasura for 9 days and 9 nights and finally the Goddess won. Since then Navratri is celebrated with great enthusiasm. The Goddess could have destroyed that demon in a single day. But for 9 days of Navratri, the Goddess fought with him and gave a message to humans that no matter how big is the power of evil, no matter how long the war lasts, but truth always wins. Actually Garba and Dandiya are different. Garba is seen as a womb with the idol of the Goddess in it, a pot inside which a diya is lit, there are holes outside, which is kept in the middle and the dance is performed in traditional dress. And Dandiya is a modern form in which modernity is combined with the dress and dances are performed giving different messages based on the theme in the middle. It is not only danced on Devi Bhajans but also on modern songs, whereas in Garba, dance is performed only on Devi Bhajans. Dance is performed while balancing two wooden sticks which are considered to be the symbolic form of a sword. Navratri also shows respect towards women. Business flourishes in every way during these 9 days. Especially due to Dandiya, various types of events are organized, which also has many benefits. Dandiya is such a modern form which fills a new enthusiasm in life. People of all ages have started doing it in their own style. There are many benefits of doing it. Due to work pressure and competition, people are forgetting their happiness, relationships, falling prey to depression. But this Navratri infuses a new power inside you. There are many benefits of doing Dandiya- 1) Losing weight- Nowadays most of the people are crazy about junk food, one of its side effects is obesity. For which fitness centers are joined and dieting is done but still the effect is not so quick but in this Navratri if you eat satvik food and do Dandiya as an exercise then your weight reduces a lot. 2) Positive thinking--It is said as the food so the mind... If we eat satvik food in nine days and do not eat outside food then we become very positive and this positive energy provides a new direction to move forward in our work field. 3) Creative- Nowadays Dandiya is being done on a very large scale, different themes and forms are seen in it. New songs, costumes, jewellery, variety in food, discussion on new topics, new types of pandals, new stages, everything is amazing. These 9 days are considered to be the days of new creation because just as a new form of the mother appeared after the 9-day war, the power of creation also starts increasing in Navratri. Especially in women, an amazing energy is seen, the eight powers get awakened. That is, different types of arts. 4) Spiritual power- We cannot succeed in any field of life without spirituality. Because spirituality saves us from many vices. It also awakens the feeling of service, kindness, affection in us. Peace and faith increases in the mind, without this we cannot get success in life. Our spiritual power awakens in Navratri which keeps us energetic for a long time. 5) Sweetness in relationships- Nowadays everyone lives in their own way and goes out for a walk. But Dandiya is a family event in which family members go together. Brothers, sisters, cousins, grandparents and neighbors also stay together and practice for a long time or go together, there is a sweetness in the relationship of all of them. Happiness increases in the elders and the younger ones get a sense of belonging and affection. Happy Navratri to all of you. Along with pleasing the Goddess, let us move towards a better society by connecting with our society and community. With these best wishes.

Assistive Technology and Inclusion for the Disabled: A Critique

Sanjay Sondhi, Deputy Secretary, Land and Building Department, Government of Delhi On the basis of the socio-cultural model of disability, society and policy makers agree on the statement that 'a person is not disabled, but the environment has a disability, due to which a disabled person is left out of the scene. Disabled people also contribute to the development of society and the nation and in improving it. To make their contribution more meaningful and visible, it is important to provide them with an environment full of inclusion. For this, the use of Assistive Technology will be mandatory. According to research studies, at present 2.5 crore people need assistive technologies and by 2050 3.5 crore people will need assistive technologies. It is worth noting here that in developing countries (where the number of disabled people is high), assistive technologies are available in limited quantity and are also not good in terms of quality. A provision was made to provide education to disabled people without any discrimination. This objective has not been fulfilled till date. The biggest reason for this is the lack of an inclusive environment in society and non-availability of assistive technologies in appropriate and sufficient quantity. To bring inclusion in society, it should be ensured that: there is availability of quality assistive devices, assistive devices should be available at low cost, there is training for efficient use of assistive devices, availability of workshops, continuous research work should be ensured to make assistive devices even more convenient, continuous efforts should be ensured to reduce the risks involved in using assistive devices, etc. According to research studies, the educational status of disabled people is also not very positive. Among the disabled children enrolled in schools, 47% are able to complete primary education, 33% are able to complete secondary education and 27% are able to complete their higher secondary education. The situation becomes even more pathetic in the field of higher education. The objective of making the earth an inclusive planet was set at the G-20 conference in Brazil. The objective of the programme for production and distribution of assistive technology is to create an inclusive world for all people (normal and disabled). The objectives of G-20 and this programme are similar to each other. To understand the availability and development of assistive technology in educational institutions, it will be useful to look at the 5 P model of the World Health Organisation. Look at the 5 P model of WHO: (1) People (2) Product (3) Policy (4) Provision (5) Personal The following challenges are visible regarding assistive technology: A huge investment will be required in this sector. There is generally a lack of technical experts and skills in this sector. There is a gap between appropriate production and provisions. People have little awareness about this sector. There is a lack of awareness. Policies have led to discrimination. There is a serious gap between the demand and supply of the available assistive technology products. There is also a serious lack of financial resources. The products that are being supplied are also low in quality. The market for assistive technology is very fragmented. There is a lack of resolve in the government representatives who make and implement policies. Quality development of assistive technology is a must for the benefit of disabled people all over the world. It is best to start this from educational institutions. In research studies, it has been found that efficient use of assistive technology in educational institutions will be an important investment to reduce the expenditure on their skills and workshops in future. In educational institutions, we bring together a large community of society in the form of disabled students, parents, teachers, public representatives, policy makers. It is clear that information can be disseminated simultaneously on what assistive technology is, how it should be, how it should be effectively manufactured and used, etc. Along with this, there should also be a provision for training of parents along with teachers. This is possible. This will enable greater inclusion of people with disabilities in society, with assistive technology forming the basis for this.(1) People (2) Product (3) Policy (4) Provision (5) Personal The following challenges are visible regarding assistive technology: A huge investment will be required in this sector. There is generally a lack of technical experts and skills in this sector. There is a gap between appropriate production and provisions. People have little awareness about this sector. There is a lack of awareness. Policies have led to discrimination. There is a serious gap between the demand and supply of the available assistive technology products. There is also a serious lack of financial resources. The products that are being supplied are also low in quality. The market for assistive technology is very fragmented. There is a lack of resolve in the government representatives who make and implement policies. Quality development of assistive technology is a must for the benefit of disabled people all over the world. It is best to start this from educational institutions. In research studies, it has been found that efficient use of assistive technology in educational institutions will be an important investment to reduce the expenditure on their skills and workshops in future. In educational institutions, we bring together a large community of society in the form of disabled students, parents, teachers, public representatives, policy makers. It is clear that information can be disseminated simultaneously on what assistive technology is, how it should be, how it should be effectively manufactured and used, etc. Along with this, there should also be a provision for training of parents along with teachers.

क्रेस्ट गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट का नगर विधायक व सीएमओ ने किया उद्घाटन

सुविधाजनक- रोगियों के लिए संपूर्ण कैंसर अस्पताल एवं रेडिएशन थेरेपी सेंटर है क्रेस्ट गैलेक्सी इंस्टिट्यूट, जल्द ही ब्लड बैंक, बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट एवं कैंसर फिजियोथेरेपी की भी सुविधा

मुरादाबाद। महानगर में ही कांठ रोड पर स्थित क्रेस्ट हॉस्पिटल परिसर में क्रेस्ट गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट का संचालन प्रारंभ हो गया है। पहले दिन नगर विधायक रितेश गुप्ता और सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने कैंसर इंस्टिट्यूट का भ्रमण कर आधुनिक मशीनों के बारे में जाना और रोगियों को मिलने वाले इलाज के संबंध में समझा। इसके बाद उन्होंने फीता काटकर कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक व सीएमओ ने कैंसर इंस्टिट्यूट के चेयरमैन डॉ. संदीप अग्रवाल व और डायरेक्टर डॉ. राजशेखर गुप्ता के संयुक्त प्रयास को सराहा और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।क्रेस्ट गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट में रेडिएशन थेरेपी सेंटर का उद्घाटन करते नगर विधायक रितेश गुप्ता व साथ में हैं सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. संदीप अग्रवाल व और डायरेक्टर डॉ. राजशेखर गुप्ता रेडिएशन सेंटर, कीमोथेरेपी के लिए विशेष इंतजाम दिखाए। उन्होंने अतिथियों को सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग का भी भ्रमण कराया। डॉ. संदीप अग्रवाल ने अतिथियों से अनुभव साझा करते हुए कहा कि कैंसर का इलाज किसी एक विशेषज्ञ के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पूरी टीम को लगना पड़ता है और वह प्रशिक्षित डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल की टीम उनके पास है। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद मंडल में यह पहला गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट है। इसलिए अब कैंसर रोगियों को इलाज के लिए उन्हें दिल्ली-मुंबई की दौड़ नहीं लगानी होगी। उनके तमाम खर्चे भी बचेंगे। इस मौके पर एक्स डायरेक्टर एवं हेड, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी बीआर आंबेडकर इंस्टिट्यूट के डॉ. जीके रथ ने भी अपने अनुभव साझा किए।गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट में आधुनिक मशीनों के बारे में नगर विधायक को जानकारी देते डॉक्टर संदीप व डॉक्टर राजशेखर गुप्ता। क्रेस्ट गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर डॉ. राजशेखर गुप्ता ने बताया कि गैलेक्सी कैंसर इंस्टिट्यूट मुरादाबाद का पहला संपूर्ण कैंसर उपचार एवं रेडिएशन सेंटर स्थापित हुआ है। कीमोथेरेपी के लिए विशेष 18 बेड की सुविधा है। शीघ्र ही ब्लड बैंक, बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट, पैट सीटी एवं कैंसर फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि पूर्णतः विकसित सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग गैलेक्सी सेंटर में उपलब्ध हैं।

संभागीय परिवहन विभाग के कक्षों में प्राइवेट लोगों का कब्जा

आरटीओ व एआरटीओ के कोड से अप्रूवल करने का कार्य कर रहे संविदाकर्मी व निजी स्तर पर रखे कर्मचारी

मुरादाबाद-संभागीय परिवहन विभाग में फिर से प्राइवेट लोगों का कब्जा है। सरकार और परिवहन मंत्री के निजी कर्मचारी या दलालों के प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित करने के निर्देश को संभागीय परिवहन विभाग के जिम्मेदारों ने ताक पर रख दिया। पिछले दिनों अन्य जिलों में प्राइवेट लोगों और दलालों

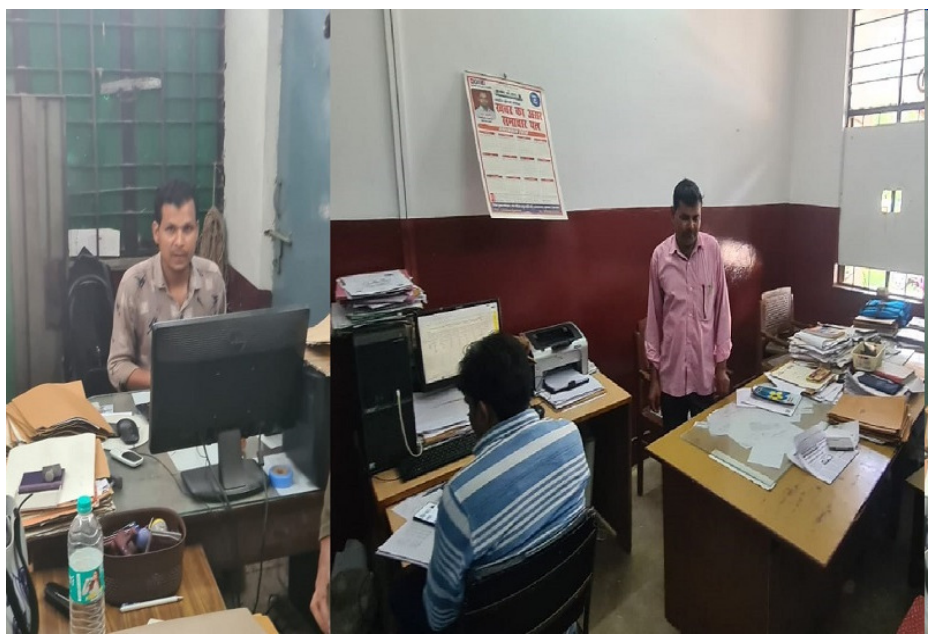

की धर पकड़ के जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारियों ने छापेमारी की थी। मुरादाबाद के संभागीय परिवहन कार्यालय में एडीएम वित्त एवं राजस्व ने छापेमारी की थी, हालांकि उस समय कोई प्राइवेट कर्मचारी और बाहर बैठने वाले दलाल नहीं मिले थे। अब विभाग में पुरानी व्यवस्था फिर पनप रही है।शनिवार की दोपहर 2 बजे के बाद संभागीय परिवहन विभाग के कार्यालय में आरटीओ और एआरटीओ अपने कक्ष में मौजूद नहीं थे। सर्वर रूम में सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में वाहनों के परमिट एनओसी और अन्य वाहनों के अप्रूवल देने का कार्य किया जा रहा था। रोजमर्रा में विभाग को निजी संस्था से मिले डेटा वेस एडमिनिस्ट्रेशन (डीवीए) इस कार्य को करता है। इसके लिए विभाग के एआरटीओ अपना कोड भी डीवीए को देते हैं। बाद में ओटीपी कोड अधिकारियों के फोन पर आता है वो डीवीए को बताते हैं। लेकिन शनिवार को डीवीए भी अपनी सीट पर नहीं था। वहां 2 निजी कर्मचारी कार्य कर रहे थे। वाहन स्वामियों से सौदेबाजी की जा रही थी। वहीं यात्री कर शाखा में भी निजी तौर पर रखे गए कर्मचारी कार्य करते मिले। लेखाकार कक्ष में अभिलेखों का रखरखाव भी बाहरी कर्मचारी कर रहे थे। प्रवर्तन शाखा में भी यही नजारा देखने को मिला।हालांकि विभाग के अधिकारी निजी कर्मचारियों के कक्ष में होने की बात से खुद को अनजान बता रहे हैं।विभाग में प्राइवेट कर्मचारी काम नहीं कर रहे हैं। जो कर रहे थे पिछले दिनों हुई छापेमारी कार्रवाई के बाद सब चले गए हैं। फिर भी अगर कोई अधिकारी निजी कर्मचारी से कार्य ले रहा है तो कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई के साथ अधिकारी पर भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।-राजेश सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी

सेल्समैन ने मौसेरे भाइयों संग रची साजिश, शराब कंपनी के एजेंट को लूटवाया... चार आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद में शराब कंपनी के सेल्समैन से 3.92 लाख लूटने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से नकदी, चार मोबाइल फोन, दो तमंचे और दो बाइक बरामद की गई हैं। एसपी सिटी ने बताया कि लूट की योजना बनाने में सेल्समैन का मौसेरा भाई भी शामिल था, जिसने दो दिन तक रेकी की थी।मुरादाबाद कोतवाली क्षेत्र में 30 सितंबर को शराब कंपनी के सेल्समैन ने मौसेरे भाई से कलेक्शन एजेंट से 3.92 लाख रुपये लुटवाए थे। शनिवार को पुलिस ने सेल्समैन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटकांड का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपियों से 3.02 लाख रुपये की नकदी, चार मोबाइल फोन, दो तमंचा और दो बाइक बरामद की है।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मूंढापांडे निवासी संजीव रावत शराब कंपनी में कलेक्शन एजेंट है। 30 सितंबर को वह दुकानों से कलेक्शन करने के बाद प्रिंस रोड स्थित शराब कंपनी के ऑफिस में 3 लाख 92 हजार 549 रुपये रुपये जमा करने जा रहा था।कोतवाली क्षेत्र में दोपहर करीब डेढ़ बजे मालवीय नगर गेट के पास दो नकाबपोश बदमाशों ने उससे नकदी भरा बैग लूट लिया था। पुलिस टीम ने सीसीटीवी की फुटेज की मदद की शनिवार को सिविल लाइंस के हरथला सब्जी मंडी निवासी तुषार उर्फ नानू उर्फ नोनू, रामलीला ग्राउंड हरथला निवासी अमित कश्यप व अर्जुन सैनी के अलावा कटघर के डबल फाटक निवासी अभिषेक भटनागर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभिषेक भटनागर ने पुलिस को बताया कि वह संभल चौराहे स्थित बीयर की दुकान का सेल्समैन है। तुषार उसका मौसेरा भाई है। अभिषेक ने ही तुषार को बताया था कि संजीव रावत कलेक्शन करके रकम प्रिंस रोड स्थित ऑफिस में जमा करने जाता है। अभिषेक, तुषार ने अर्जुन और अमित के साथ मिलकर 2 दिन रेकी की थी। इसके बाद घटना को अंजाम दिया था। आरोपी अभिषेक को रुपयों की जरूरत थी। इसलिए उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। एसएसपी ने खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार का इनाम देने की घोषणा की है।

सराफा बाजार ने पकड़ी रफ्तार, दो दिनों में तीन करोड़ का कारोबार, दुकानदारों के खिले चेहरे

मुरादाबाद -नवरात्र शुरू होते ही मुरादाबाद के सराफा बाजार में दो से तीन करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। कारोबारियों को इस सीजन में 20 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार की उम्मीद है। कुछ ग्राहक दिवाली के लिए सोने और चांदी के आइटम की बुकिंग भी करा रहे हैं।नवरात्र शुरू होते ही

सराफा बाजार की रौनक बढ़ गई है। सराफा कारोबारियों का दो दिनों के भीतर दो से तीन करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। नवरात्र के पहले दिन सोने का भाव 78,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचने के बावजूद सराफा कारोबारियों को 20 करोड़ से अधिक के कारोबार की उम्मीद है।नवरात्र, दशहरा, दिवाली के साथ शादियों का सीजन शुरू होने से ज्वेलरी की डिमांड लगातार बनी रहेगी। मुरादाबाद में बाजार गंज, मंडी चौक, कांठ रोड समेत कई जगहों पर सराफा के बड़े कारोबारी हैं। शहर में सराफा की छोटी-बड़ी 300 दुकानें हैं। कारोबारियों का कहना है कि सोने और चांदी के भावों में तेजी आ रही है।नवरात्र की शुरुआत में अभी ग्राहक कम आ रहे हैं। दो दिनों के भीतर ग्राहक निकलना शुरू करेंगे। इससे नवरात्र में जिले में करीब 20 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। कुछ कारोबारियों का कहना है कि ग्राहक दिवाली के लिए सोने और चांदी के आइटम बुकिंग कराना शुरू कर दिए हैं। सोने का भाव बढ़ने की वजह से ग्राहक हल्के ज्वैलरी ही खरीद रहे हैं। लोग लाइटवेट गोल्ड ले रहे हैं। पहले कारोबार ठप पड़ा था, अब त्योहार शुरू हुआ है। त्योहार में ठी-ठाक कारोबार की उम्मीद लगा रहे हैं। - नितिन रस्तोगी, महामंत्री, श्री सराफा कमेटी मंडी चौक सोने के आइटम लोग ज्यादा खरीद रहे हैं। चांदी के आइटम के ग्राहक कम आ रहे हैं। अभी ग्राहक कम आ रहे हैं, दो दिन में ग्राहकों की बढ़ने की संभावना है। सोने के आइटम में लोग लाइट ज्वेलरी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। - नीरज अग्रवाल, सराफा एसोसिएशन, बाजार गंज त्योहारी सीजन में सोने और चांदी के आइटम की बुकिंग चार गुना बढ़ गई है। दो दिनों में 10 से 12 लाख का कारोबार हुआ है। दिवाली में अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। अभी से बाजार में अच्छी भीड़ है। - रवि गुप्ता, सुधीर कुमार ज्वैलर्स पिछले साल के मुकाबले इस साल नवरात्रि तक सोने के भाव में आठ से 10 हजार का अंतर आ गया है। ग्राहक अपने बजट से ज्यादा खर्च नहीं कर रहे हैं। इसलिए छोटे आइटम ज्यादा बिक करे हैं। - प्रदीप रस्तोगी, उपाध्यक्ष, सराफा कमेटी मंडी चौक

संक्षिप्त समाचार

पुरुष से किन्नर बने हाजी मुकीम उर्फ रेशमा की नस फटने से मौत

क्षेत्र बंटवारे को लेकर साथी किन्नरों पर परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

सुविधाजनक- शादी के बाद पुरुष से किन्नर बने हाजी मुकीम की क्षेत्र बंटवारे को लेकर साथी किन्नरों के दबाव में मस्तिष्क की नस फटने से मौत हो गई। हाजी मुकीम उर्फ रेशमा की पत्नी ने संपत्ति बंटवारे को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। फिर शव को दफनाने के लिए परिवार और किन्नरों में लात घूंसे चले। मौके पर पहुंची पुलिस ने कई किन्नरों को हिरासत में लिया है। परिवार ने किन्नरों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक निवासी हाजी मुकीम शादी के बाद किन्नर बन गए थे। हाजी के परिवार में चार बेटी और दो बेटे हैं। हाजी ने अपना ऑपरेशन कराने के बाद गुरु शबनम से दीक्षा ली। गुरु शबनम ने हाजी का नाम रेशमा रख दिया। इसके बाद रेशमा को गुरु ने बधाई मांगने के लिए अगवानपुर क्षेत्र दे दिया। बधाई के लिए रेशमा को ज्यादा गांव मिलने से साथी किन्नर खफा रहने लगे। साथ ही हाजी उर्फ रेशमा बीच-बीच में परिवार वालों को भी पैसे भेजते थे। हाजी के इस कदम से भी किन्नर साथी खफा रहते थे।

23 सितंबर को साथी किन्नरों ने बातचीत करने के लिए हाजी उर्फ रेशमा को अपने घर बुलाया था। इसी दौरान रेशमा और किन्नर पायल में क्षेत्र बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। जिससे हाजी की नस फट गई। सूचना पर पहुंची पत्नी व अन्य परिजनों आनन-फानन में दिल्ली अपोलो हॉस्पिटल ले गए। इसके बाद ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया। शुक्रवार को हाजी उर्फ रेशमा की फिर से अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें कांठ रोड निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। आरोप है कि साथी किन्नरों को इसकी भनक लगने पर अस्पताल पहुंच गए। क्षेत्र बंटवारे को लेकर खफा किन्नरों ने हाजी उर्फ रेशमा के मुंह से जबरन ऑक्सीजन पाइप निकाल दिया। जिससे हाजी उर्फ रेशमा (50) की मौत हो गई। फिर शव दफनाने को लेकर परिवार वालों से विवाद करने लगे। इसके बाद परिवार और किन्नरों को बीच जमकर लात-घूंसे चले। सूचना पर पहुंची पुलिस कई किन्नरों को थाने ले गई। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया है कि मामले की जांच की जा रही है। हाजी उर्फ रेशमा के परिवार ने साथी किन्नरों पर हत्या का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां घर में खोज रही थी सामान, कमरे का नजारा देख निकली चीख, बेटी की लाश पंखे से लटकी थी

मुरादाबाद चंदौसी में छात्रा ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। गुन्नौर के मोहल्ला मासूम अली निवासी आईटीआई की

छात्रा अनामिका श्रीवास्तव ने रविवार सुबह अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने किसी तरह की घरेलू कलह से इनकार किया है।गुन्नौर के मोहल्ला मासूम अली निवासी अनामिका श्रीवास्तव ने दो महीने पहले ही बदायूं के अलापुर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में एडमिशन लिया था। इन दिनों वह घर पर थी। रविवार की सुबह छात्रा की मां अपनी चप्पल ढूंढ रही थीं।इसी दौरान वह छात्रा के कमरे के पास पहुंचीं और खिड़की से झांककर देखा तो उनकी चीख निकल गई। अनामिका पंखे से बंधे फंदे पर लटकी थीं, उनके गले में दुपट्टा कसा हुआ था। बेड पर संदूक रखे थे और कमरा अंदर से बंद था। चीख सुनकर पड़ोसी लोग इकट्ठा हो गए। परिजनों ने लोगों की मदद से दरवाजे का कुंडा तोड़ा और शव को नीचे उतारा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि सब कुछ ठीक था और किसी प्रकार की घरेलू कलह नहीं थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वरुण अर्जुन रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज प्रांगण मे छात्र का शव मिलने से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच -शशिकांत शर्मा

शाहजहांपुर थाना तिलहर क्षेत्र के वरुण अर्जुन रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में उस समय हड़कंप मच गया। जब शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक राजेश एसश्र पुलिस बल के साथ वरुण अर्जुन रोहिलखंड

मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में एमबीबीएस सेकेंड ईयर के छात्र का शव मिलने की सूचना पर पहुंचे। मृतक छात्र गोरखपुर निवासी कुशाग्र प्रताप सिंह बताया जा रहा। फिलहाल पुलिस ने मृतक छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस ने कमरे सील कर उसके परिवार वालों को घटना की सूचना दे दी। छात्र की मौत हत्या है या फिर आत्महत्या इस सवाल के साथ पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस घटना से शाहजहांपुर वरुण अर्जुन रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में काफ़ी दहशत सी फैल गई है। गौरतलब है कि वरुण अर्जुन रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज इससे पहले भी नर्सिंग के एक छात्र के बिल्डिंग से कूदने की घटना को लेकर काफ़ी चर्चा में रहा है।

ससुराल गए एक युवक की गर्रा नदी में डूबने से हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/अमृतपुर। थाना क्षेत्र के गांव गूजरपुर पमारान निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र रामदास उम्र 30 का विवाह जिला हरदोई के थाना सांडी के गांव बखरिया से लगभग दस बर्ष पहले हुई थी जो शुक्रवार को ससुराल मे हुई पारिवारिक सास की मृत्यु मे गया था। लेकिन काल के गाल मे समा गया। बताया जा रहा है कि जव मृतक घर के लिए आ रहा था तभी पानी से निकलते समय किसी तरह पैर गहरे पानी मे चला गया लेकिन मौके पर अन्य व्यक्ति मौजूद न होने के कारण युवक डूब गया। जब स्थानीय ग्रामीणों ने मृतक के डूबने की सूचना ससुराल व मृतक के परिवारी जनो को दी तो परिजनों मे कोहराम मच गया। तथा मौके पर भीड़ लग गयी लेकिन शनिवार को शव बरामद न हो सका तथा सांडी पुलिस ने गोताखोरों की मदद से रविवार सुबह शव को बरामद कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव घर आते ही परिवार मे कोहराम मच गया मृतक 5 भाइयों मे सबसे बड़ा बताया जा रहा है वहीं मृतक की मां रामश्री व पत्नी रमना देवी का रो रो कर बुरा हाल है।

रोगों से कैसे हो मुकाबला, जब गली, मोहल्ला नाली, विद्यालय के सामने भरा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ अमृतपुर। जिले मे इस समय संचारी रोग अभियान के तहत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। लेकिन यह अभियान अब केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रहा है। गांव की गलियों मे पानी भरा हुआ है। गलियां कीचड़ से बज बजा रही है लेकिन जिम्मेदार मौन बैठे हैं। बताया जा रहा है कि हुसैनपुर हडाई की गलियों मे कीचड़ भरा रहता है। कर्मचारी ने गांव मे की तैनाती की है चल रही है। तथा परतापुर कलां, हुसैनपुर राजपुर, भावन, पिथनापुर कर्मचारियों के जहां 7000 से 8000

पानी व नालियों मे सूत्रों की माने तो सफाई 7000 रुपए मे युवक जिसके हवाले सफाई गूजरपुर गहलवार, किराचन गढ़ैया, कुम्हरौर गुडेरा चपरा, समेत दर्जनों गांव सफाई अभाव मे चल रहें है रुपए वाले सफाई कर्मचारी काम कर रहे लेकिन जिन को सरकार के द्वारा पक्की नौकरी दी गयी वह मौज ले रहे है। जिम्मेदार ठहरे खंड विकास अधिकारी भी इस बात पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते। जिसके कारण गांवों मे गंदगी की वजह बीमारियां फैल रही है। वहीं गूजरपुर पमारान मे प्राथमिक विद्यालय के पास गंदगी व गंदा पानी 1 साल से अधिक समय से बह रहा है छोटेलाल के दरवाजे के पास भी पानी का भराव हो रहा है। वहीं बात करे हुसैनपुर राजपुर की तो सामुदायिक शौचालय समुद्र के टापु पर बना नजर आ रहा है जिसके चारों तरफ पानी भरा हुआ है। जिसके लिए कोई भी जाने की रास्ता नहीं है बीते लगभग 7 बरसों से बह बद पड़ा है। संबंधित सचिव व प्रधान पर कार्रवाई कर रिकवरी करनी चाहिए।

सडक सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत एट टोल प्लाजा चलाया गया चेकिंग अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

एट - शासन के निर्देश के क्रम में ''सड़क सुरक्षा पखबाड़ा'' कार्यक्रम के अन्तर्गत राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल जालौन द्वारा एट टोल प्लाजा पर ओवरलोडिंग/गलत नम्बर प्लेट, बिना एच.एस.आर.पी. प्लेट लगे वाहन, सड़क किनारे खड़े अवैध

वाहनों एवम् बिना रेट्र रिफ्लेक्टिव टेप लगे वाहनों की चेकिंग की गयी तथा लेन ड्राइविंग के बारे में चालकों को जागरुक किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत वाहन चालकों को रात्रि में हेड लाइट के हाई बीम/लो बीम के प्रयोग के बारे में जानकारी दी गयी व जागरुक किया गया। उक्त कार्यक्रम में एट टोल प्लाजा के सीनियर मैनेजर के0के0 शुक्ला व मैनेजर दीपेन्द्र भार्गव व एट टोल प्लाजा के अन्य कर्मी एवम् समाज सेवी श्री अनिल कुमार सिन्धू उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट का प्रयोग करने व चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने हेतु सलाह दी गयी व जो भी वाहन चालक बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन संचालित करते पाये गये उनको फूल देकर व माला पहनाकर सरकार, परिवहन विभाग व उनके परिवार की ओर से आग्रह किया गया कि वाहन का संचालन करते समय सड़क सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करें व वाहन का संचालन करते समय वाहन नशे की हालत में वाहन न चलायें, तेज गति से वाहन न चलायें, वाहन चलाते समय स्टंट आदि न करें। इसके साथ ही समस्त वाहन चालकों को रात्रि में हेड लाइट के हाई बीम/लो बीम के प्रयोग के बारे में जानकारी मुहैया करायी गयी।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन की बैठक संपन्न नगर निगम में फैल रहे भ्रष्टाचार को लेकर हुई चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन की एक बैठक आज दिन रविवार को अंबेडकर पार्क सिविल लाइंस पर संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता डिंपल सागर ने की वही संचालन डॉक्टर हरि नंदन प्रसाद ने किया वहीं बैठक का शुभारंभ डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया

गया बैठक में वक्ताओं द्वारा आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के साथ हो रही भ्रष्टाचारियों पर चर्चा की गई बैठक में बताया गया कि संगठन द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्या को लेकर नगर निगम प्रशासन से यह मांग करता चला आ रहा है कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्तियां सेवा प्रस्ताव द्वारा भ्रष्टाचार फैलाकर की जा रही है लेकिन नगर निगम प्रशासन इस ओर ध्यान दे और नई सेवा प्रस्ताव कंपनी आरआर प्रोजेक्ट द्वारा भ्रष्टाचार फैलाकर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवा अवैध रूप से नियुक्त कर रही है जिसका संगठन विरोध करता है और नगर निगम प्रशासन से ये मांग करता है कि नगर निगम में आरआर कंपनियां जो आउटसोर्सिंग की सेवा नियुक्तियां कर रही है उसको बंद किया जाए नहीं तो राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन संगठन एक बड़ा आंदोलन करने को वादी होगा वही इस बैठक के दौरान नवनियुक्त के पद पर महानगर अध्यक्ष बालेश्वर नाथ को नियुक्त किया गया वही इस बैठक में मुख्य रूप से करन सिंह वाल्मीकि, संजय समर्पित डिंपल सागर डॉक्टर हरिनंदन प्रसाद ,जागेंद्र वाल्मीकि, रोहित चंदेल, अनिल बाल्मीकि, अरविंद, संजय समर्पित प्रांतीय महामंत्री, आदि लोग उपस्थित रहे

बड़े धूमधाम से निकली गई आदर्श रामलीला मंडल की श्री राम बारात शोभायात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। आदर्श रामलीला मंडल द्वारा आयोजित श्री राम विवाह शोभा यात्रा का भव्य आयोजन धूमधाम के साथ किया गया। भगवान श्री राम की बारात को देखने के लिए न केवल जनपद के

लोग बल्कि आसपास के जिलों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शोभा यात्रा के दौरान जगह-जगह भगवान की आरती उतारी गई और पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। शोभा यात्रा की शुरुआत लोहाई रोड स्थित भारतीय पाठशाला से हुई और यह चौक, लोहाई रोड, नाला मच्छरहटा, गुड्डी पक्का पुल, किराना बाजार, नेहरू रोड, बाजार घुमना से नीवाचुअत होते हुए वापस भारतीया पहुंची। यात्रा के दौरान सड़कों के दोनों ओर भारी भीड़ एकत्रित हो गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन की तैनाती की गई थी। श्री राम बारात में भगवान गणेश, हनुमान जी, माता दुर्गा, भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, भगवान शंकर, राजा दशरथ, विश्वामित्र, परशुराम, मां काली, नरसिंह भगवान, और विश्व मोहिनी की अद्भुत झांकियां शामिल थीं। इसके बाद भगवान श्री राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की रथ यात्रा निकली, जिसमें चारों भाइयों को एक साथ देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान की आरती उतारी और पुष्प वर्षा की। नगर

में राम बारात की धूम रात भर बनी रही, जिससे शहर में मेले जैसा माहौल हो गया। पहले दिन की अपेक्षा आदत रामलीला मंडल की राम बारात शोभा यात्रा काफी सुंदर बन पड़ी लोगों ने सजाए के स्वरूपों की जमकर तारीख की मंडल के जिम्मेदार पदाधिकारी की मेहनत सामने दिखाई दी शानदार स्वरूप और सुंदर संयोजन को देखते हुए सभी ने शोभा यात्रा की तारीख की इतना अवश्य आगे रथों के संचालन में काफी अंतर दिखाई दिया इस कारण से 2 घंटे में निकल जाने वाली शोभायात्रा लगभग पांच घंटे में नगर भ्रमण कर सकी। शोभा यात्रा में मंडल के अध्यक्ष मंत्री व पदाधिकारियों ने मौजूद रहकर व्यवस्था को संभालने का काम किया।

नि:शुल्क स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

समाजसेवी संस्था सनातन प्रतिभा फाउंडेशन की ओर से भीकमपुर, जी टी रोड, हरिगढ़ स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र (वीओसी स्किल्स) में 18 वर्ष से लेकर 35 वर्ष के अनपढ़ एवं शिक्षित युवक एवं युवतियों को रोजगारपरक एक दिवसीय नि:शुल्क स्वयंसेवक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को मोटिवेशनल स्पीकर एवं समाज सुधारक अभिषेक सक्सैना द्वारा इंटरव्यू में किस प्रकार के वस्त्र पहनने चाहिए, बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए, कम्युनिकेशन स्किल्स कैसे होने चाहिए, आत्मनिर्भर कैसे बनें आदि महत्वपूर्ण विषयों का ज्ञान दिया गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा टी शर्ट, बैग एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। शिविर के आयोजन में प्रशिक्षण केंद्र संचालिका विशु राजपाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था के अध्यक्ष अभिषेक सक्सैना सनातनी ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के उत्कृष्ट व्यक्तित्व के निर्माण के लिए संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे स्वयंसेवक प्रशिक्षण की बहुत आवश्यकता है। अधिक से अधिक युवक एवं युवतियों को संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे इस प्रशिक्षण का लाभ अवश्य लेना चाहिए। संस्था के सचिव आशु सिंघल ने बताया कि सनातन प्रतिभा फाउंडेशन निरंतर सनातन धर्म की विशेषताएं और वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम का सफल संचालन शिवानी सक्सैना ने किया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष अभिषेक सक्सैना सनातनी, सचिव आशु सिंघल, उपाध्यक्ष साक्षी, विशु राजपाल, रोहित कुमार, सपना शर्मा, शिवानी सक्सैना, अनुराग यादव, राहुल वार्ष्णेय, तनिष्क, प्रियांशी सक्सैना, साक्षी सागर, अनुष्का यादव, अंकित, गौरव, ऋषभ, चंद्रशेखर, राकेश बघेल आदि उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

जहानगंज। शनिवार रात थाना क्षेत्र के गांव युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली, जानकारी मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। थाना जहानगंज की चौकी राजपूताना क्षेत्र के गांव मीरपुर निवासी कृष्ण यादव पुत्र शैलेंद्र यादव उम्र 21 वर्ष ने जूनियर विद्यालय के पास खड़े नीम के पेड़ से स्टाल से फंदा बनाकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर

ली, सुबह 6 बजे चचेरे भाई सुनील व मुकेश खेतों की तरफ जा रहे थे जैसे ही उन्होंने कृष्ण को नीम के पेड़ से लटका देखा तो चिल्लाने लगे मौके पर भीड़ जमा हो गई, आनंन फ़ानन में सूचना चौकी प्रभारी आंछेलाल पाल को दी गई तो उन्होंने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतरवाया और पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतक के दो बड़े भाई राजीव व सुरजीत है और मां का नाम कृष्णा देवी है, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मारपीट में हालात गंभीर घायल ने पुलिस को दी सूचना

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/नवाबगंज। थाना नवाबगंज के गांव मिलकिया पठान निवासी शानू घर से गांव उम्मरपुर आया था। उसी दौरान उम्मरपुर निवासी युवक ने शानू को गालीगलौज किया। गालीगलौज का विरोध करने पर युवक ने शानू को मारपीट कर दी। मारपीट में छुरा लगने से शानू गंभीर घायल हो गया। एकाएक मारपीट होता देख आसपास के लोगों ने किसी तरह शानू को

बचाया। थाने पहुंचे शानू ने पुलिस को युवक के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस में मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया कोंच का आकस्मिक निरीक्षण सम्बंधित को दिये दिशा निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच जालौन -पुलिस अधीक्षक जालौन दुर्गेश कुमार ने नवरात्री दशहरा पर्व को देखते हुये कोंच थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया इस दौरान थाना परिसर, थाना कार्यालय, CCTNS कार्यालय, ह्वत्रक्र, महिला हेल्प डेस्क आदि को चेक किया एवं थाने के अभिलेखों की प्रविष्टियो की भी जाँच की तदोपरान्त नवरात्री / दुर्गापूजा पर्व के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने हेतु स्ष्ठरू ज्योति सिंह, कोंच

क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह एवं कोंच इंस्पेक्टर अरूण कुमार रॉय के साथ मिलकर कोतवाली कोंच मे पैदल गस्त किया एवं मार्ग मे बने दुर्गा पूजा पंडालो का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया

जालौन पुलिस ने अवैध पटाखा सामग्री मामले मे फरार हुये आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जालौन - कुछ दिन पूर्व मुखबिर की सूचना पर नरोभास्कर मोहल्ले मे स्थित एक मकान मे पुलिस ने दबिश दी थी जिसमे 6

कुंतल 22 किलो के करीब विस्फोटक सामग्री को पुलिस ने मौके पर जब्त कर लिया था लेकिन अभियुक्त धीरेन्द्र साहू अँधेरे का फायदा उठा कर मौके से फरार हो गया था जिसको आज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कामाक्षी देवी मंदिर के पास से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लियाद्य अभियुक्त से पूछताछ करने पर उसने बताया की वह कानपुर देहात व ग्वालियर से माल खरीदता था एवं जालौन व उसके आस पास के कसबों मे माल की सप्लाई करता था अभियुक्त के खिलाफ विधिक कानूनी कार्यवाही की जा रही हैं

घरेलू उत्पीड़न को लेकर जागरुकता अभियान/कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत जनपद श्रावस्ती के विकास खंड हरिहरपुर रानी के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में घरेलू हिंसा तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक

उत्पीड़न (निवारण प्रतिषध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 पर अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे सर्व प्रथम किशोरियों द्वारा चित्र कला और निबंध लिख गया उसके बाद एक्शनऐड के तारिक अहमद द्वारा सभी का स्वागत और अभिनंदन किया गया उसके बाद मिशन शक्ति फेज 5 के बारे में जानकारी देते हुए महिलाओं, किशोरियों के साथ होने वाले भेद भाव के विषय पर विस्तार से चर्चा किया साथ ही किशोरियों को मुख्य धारा में लाने एवम उन्हे आगे बढ़ाने हेतु शासन की योजनाओं से जोड़ने हेतु बात किया उसके बाद बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विश्राम द्वारा किशोरियों को खूब पढ़ने और आगे बढ़ने की बात की गई उसके बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध द्वारा किशोरियों को संबोधित करते हुए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में बात की जिसमे मुख्यता कन्या शुमंगला योजना, स्पॉन्सर शिप, बाल श्रमिक विद्या योजना के साथ साथ हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी दिया गया उक्त कार्यक्रम में जिला प्रोवेशन अधिकारी सुबोध बाल कल्याण समिति अध्यक्ष विश्राम , सदस्य दिनेश सोनी एक्शन एड से प्रॉजेक्ट कॉर्डिनेटर गुलिस्ता आरा , तारिक अहमद विद्यालय की वार्डन कैसर जहां व समस्त विद्यालय स्टाफ के साथ साथ विद्यालय में नामंकित किशोरियों ने प्रतिभाग किया ।

नवदुर्गा के चौथे दिन मां कुष्मांडा की विधिपूर्वक पूजा, भक्तों ने व्रत व अनुष्ठान से की आराधना

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन दिन भक्तों ने माता दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप स्वरूप, मां कुष्मांडा का विधिपूर्वक पूजन किया। भक्तों ने व्रत रखकर, सुबह अग्नि पूजा और अनुष्ठान के चौथे चरण की अग्यारी जलाकर मां की आराधना की। परंपरा के अनुसार, नवदुर्गा के इस चौथे दिन दिन मां कुष्मांडा की विशेष पूजा का विधान है, और इसे पूरे श्रद्धा-भाव से मनाया गया। मां कुष्मांडा को नवरात्रि के चौथे दिन पूजा जाता है। इस दिन मां को विशेष रूप से शक्कर और पंचामृत का भोग अर्पित किया जाता है, जिससे मान्यता है कि भक्तों को दीर्घायु और अपार शक्तियों का आशीर्वाद मिलता है। इनकी पूजा से व्यक्ति के व्यक्तित्व में संयम, सदाचार और वैराग्य का विकास होता है। मां कुष्मांडा की वंदना से भक्तों को अद्भुत शांति का अनुभव होता है, जो परम सूक्ष्म ध्वनि के रूप में उनके मन को शीतलता प्रदान करती है। उनके स्वर्णिम वर्ण और आसुरी शक्तियों के विनाश के लिए तत्पर रहने के कारण, मां की आराधना भक्तों को अपूर्व तेज और ऐश्वर्य का अनुभव कराती है। फर्रुखाबाद के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। गुरुगांव देवी मंदिर, भरतपुर देवी मंदिर, गमा देवी मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर, महाकाल मंदिर, और कालीबाड़ी मंदिर समेत अन्य सभी छोटे-बड़े मंदिरों में भक्तगण दिनभर पूजा-अर्चना में व्यस्त रहे। सुबह और शाम के समय देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े, जो नवरात्रि की आस्था और उल्लास को प्रदर्शित करता है।

बेटों की तरह किया जाना चाहिए बेटियों का भी लालन-पालन - सांसद मुकेश राजपूत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में, स्थानीय राम मनोहर लोहिया संयुक्त चिकित्सालय के सभागार में 卐बालिका जन्मोत्सव卐 कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया

गया। इस विशेष अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवजात बेटियों और उनकी माताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि बेटी का महत्व बेटा से कम नहीं है; बल्कि बेटी घर की शान होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेटियों का लालन-पालन बेटों की तरह किया जाना चाहिए। सांसद ने कहा, हमें अपनी मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। बेटियों के महत्व को समझें और उन्हें सशक्त बनाएं। समाज के निर्माण में महिला शक्ति का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अस्पताल में नवजात बेटियों की माताओं को शाल उड़ाकर और पौधा देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, बेटियों के लिए बेबी किट और अन्य उपहार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव, विधायक भोजपुरी नागेंद्र सिंह राठौर, जिला अधिकारी डॉक्टर बीके सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद मिश्रा, सीएमओ डॉक्टर अवनीन्द्र कुमार, लोहिया अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर अशोक प्रियदर्शी, महिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर कैलाश दुलानी और अन्य स्टाफ सदस्यों की मौजूदगी उल्लेखनीय रही। इस मौके पर कन्याओं के परिजनों की भी बड़ी तादाद में भागीदारी रही। सभी को बेटियों के संरक्षण का संकल्प दिलवाया गया, जिससे समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सके। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है, जो समाज में बेटियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए आयोजित किया गया।

टीकाकरण कर रही टीम को स्कूल में ताला डालकर बंद करने के प्रकरण में जांच रिपोर्ट न आने से विभागीय कार्यवाही अधर में लटकी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/शमसाबाद।टीकाकरण कर रही टीम को स्कूल के मुख्य गेट पर ताला डालकर बंद करने के प्रकरण में जांच रिपोर्ट न आने से करवाई अधर में लटकी हुई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने दो सदस्यों की जांच समिति बनाकर तीन दिन में रिपोर्ट देने का आदेश दिया था, लेकिन समिति के सदस्यों ने निर्धारित समय में रिपोर्ट नहीं दी। विकासखंड शमशाबाद क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर के प्रांगण में आंगनबाड़ी केंद्र हैं। 28 सितंबर को सी एच ओ विवेक कुमार , एएनएम विश्व मोहिनी, आशा बहू एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों का टीकाकरण कर रहे थे। विद्यालय के शिक्षक 2ः00 बजे मुख्य गेट पर ताला डालकर चले गए। इससे स्वास्थ्य टीम स्कूल में बंद हो गई। सी एच ओ ने इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को दी। करीब 1 घंटे बाद कोटेदार चाबी लेकर पहुंचा और ताला खोलकर स्वास्थ्य टीम स्कूल से बाहर निकली। इसकी जानकारी पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 30 सितंबर को खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज एवं शमशाबाद की टीम बनाकर मामले की जांच करने के आदेश दिए थे। टीम को 3 दिन में रिपोर्ट देने का आदेश दिया था। तीन दिन बीतने के बाद भी कमेटी ने जांच कर रिपोर्ट नहीं दी। इससे कार्रवाई अधर में लटकी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद ने बताया कि जांच कमेटी से जल्द रिपोर्ट मंगाई जाएगी। जिसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तथागत वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन का गठन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद।वृद्ध लोगों ने आज मानवता की भलाई एवं उत्थान के लिए तथागत वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन का गठन किया है। गुरुगांव देवी मंदिर के निकट डॉक्टर अनुराग शाक्य के अस्पताल में आज दोपहर बाद वृद्ध लोगों की बैठक हुई। जिसमें तथागत वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन का सर्वसम्मति से निम्न प्रकार अस्थाई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में रघुवर दयाल मौर्य, गयादीन शाक्य, राम रतन शाक्य, कवि बेचेलाल शाक्य उर्फ बेचैन, प्रवक्ता बदन सिंह को संरक्षक मंडल का सदस्य बनाया गया। सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक शिव कुमार शाक्य को जिला अध्यक्ष शिवशरन शाक्य एवं गिरजा शंकर शाक्य को जिला उपाध्यक्ष, कमल शाक्य को जिला मंत्री, सूरजपाल सिंह को संगठन मंत्री, विमलेश शाक्य को प्रचार मंत्री,शिक्षक अंचल सिंह कुशवाहा को कोषाध्यक्ष एवं आनंद भान शाक्य को मीडिया प्रभारी बनाया गया। बैठक में भोपत नगला निवासी गिरजा शंकर शाक्य ने अपने आर एस मैरिज हाल में संस्था के लिए एक कमरा दिए जाने की घोषणा की। तय किया गया की संस्था का मुख्य कार्यालय यही बनाया जाएगा। संस्था के आजीवन सदस्यों के लिए 1 हजार रुपए 5 वर्ष के लिए 500 रुपए तथा एक वर्ष के लिए 100 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया। संस्था का जिले की तीनों तहसीलों सभी ब्लॉक एवं न्याय पंचायत स्तर पर गठन किया जाएगा। संस्था के सदस्यों की संख्या एक सैकड़ा से अधिक हो जाने पर कार्यकारिणी का चुनाव कराया जाएगा। संगठन की आगामी बैठक 9 नवंबर को टाउन हाल के निकट आर एस मैरिज हाल में होगी। बैठक में दालमोठ व्यापारी रघुवर दयाल मौर्य, कवि बेचेलाल शाक्य बेचैन एवं सेवानिवृत्त संग्रह अमीन प्रेमचंद शाक्य आदि ने सदस्यता शुल्क जमा किया। प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को संगठन की बैठक होगी, जो सदस्यों के द्वारा कराई जाएगी। सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को आगामी बैठकों में अन्य वरिष्ठ नागरिकों को संगठन में शामिल कराने को कहा गया। बैठक में जगवीर सिंह कुशवाह, वेदराम शाक्य, कुलदीप शाक्य आदि सहित उपरोक्त सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

जहानगंज-कामालगंज में सकारात्मक बदलाव : कानून व्यवस्था व विकास के मुद्दे पर बड़े बदलाव

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/कामालगंज /जहानगंज। हाल के दिनों में, जहानगंज और कामालगंज क्षेत्र में कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दों पर सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जो स्थानीय निवासियों के लिए उम्मीद की किरण हैं। हाल ही में, पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं।

स्थानीय पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें स्थानीय निवासियों को सुरक्षा में भागीदार बनाया गया है। इस पहल के तहत, पुलिस और स्थानीय नागरिकों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे अपराधों में कमी आई है और लोगों का विश्वास भी बढ़ा है। पुलिस ने चौकसी बढ़ाते हुए कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी स्थापित किए हैं, जिससे निगरानी और सुरक्षा में सुधार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, क्षेत्र में अपराध की दर में कमी आई है और लोग अब अधिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जहानगंज-कामालगंज में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ तेजी से चल रही हैं।

हाल ही में, स्थानीय सांसद द्वारा सड़क निर्माण और आधारभूत संरचना के विकास की योजनाओं का उद्घाटन किया गया। ये परियोजनाएँ न केवल स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी मुख्यधारा से जोड़ने में मदद कर रही हैं। साथ ही, जल आपूर्ति और सफाई व्यवस्था के सुधार के लिए भी सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं।

नई पानी की टंकियों और पाइपलाइन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को पर्याप्त जल आपूर्ति मिल रही है। इसके अलावा, स्वच्छता अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लोग सफाई और स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। कुल मिलाकर, जहानगंज-कामालगंज में कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दों पर सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। प्रशासन और स्थानीय निवासियों के बीच सहयोग और संवाद से यह संभव हुआ है। इस तरह के प्रयास न केवल स्थानीय समुदाय की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। लोगों की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण से ही आगे भी इन मुद्दों का समाधान किया जा सकेगा।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

निमाड़ी गम्मत का महामुकाबला संपन्न ,काफी तादात में दर्शक देर रात तक जमे रहे

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर जयनगर कॉलोनी मे निमाड़ी गम्मत का मुकाबला निमाड़ की दो पार्टियों जामनिया और केदार खेड़ी के बीच देर रात तक चला। देर रात तक काफी तादात में महिला पुरुष बच्चे पंडाल में जमे रहे। कार्यक्रम के आयोजक मांगीलाल पथरिया ने कॉलोनी के बुजुर्गों का साल श्रीफल से सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, पार्षद विजय रघुवंशी, प्रदीप द्विवेदी, मोहन लोधी, संजय शर्मा आदि अतिथियों का स्वागत फूलमाला व दुपट्टा पहनाकर किया गया। आयोजक मांगीलाल पथरिया ने बतलाया आयोजन गायत्री मित्र मंडल द्वारा विगत 20वर्षों से किया जा रहा है। निमाड़ी गम्मत में कलाकारों के हंसी मजाक कर दोनों पार्टियों द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। मुकाबला इतना रोचक था कि फैसला ड्रॉ द्वारा लिया गया। जिसमें जमानिया की टीम को विजय घोषित किया गया। आयोजकों द्वारा कलाकारों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

अज्ञात पिकअप ने मारा ठोकर मोटरसाइकिल सवार की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती मल्हीपुर बाबागंज मार्ग स्थित भगवानपुर चौराहा से पहले अज्ञात पिकअप वाहन नवाबगंज से तेज रफ्तार में आ रही

पिकअप वाहन ने पीछे से मोटरसाइकिल सवार कुंडा निवासी सलीम (60) पुत्र नजीर अपने पोता अयान (04) पुत्र रियाज को लेकर माल्ही चौराहा से रोजमर्रा का समान लेकर घर जा रहे थै जिसको जोर दार टककर मार दिया जिससे बाबा और पोता को गंभीर चोट आई और मौक़े से पिकअप फरार हो गये वही स्थानीय ग्रामीणों ने निजी चिकित्सालय मे भर्ती करवाया जहां पर इलाज चल रहा है।

बेल गाडी बचाने के चक्कर में पलटी तुफान

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा । यहां से करीब 8 किलोमीटर दूर ग्राम दौलतपुर के सैनिक अब से कुछ देर पहले एक तूफान वाहन के पलट जाने से तीन लोगों को मामूली चोट आई है । बताया जाता है कि उक्त तूफान वाहन क्रमांक द्वश्च 09 ङ्घ 6645 पारा से ग्राम बड़ी बुडकुई की तरफ जा रहा था कि रास्ते में एक बैलगाड़ी एवं मोटरसाइकिल को बचाने के चक्कर में तूफान वाहन अ नियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतारते हुए पलटी खा गया। जिसमें चार लोग सवार थे । वाहन में सवार एक लड़की को हाथ में चोट आई है वही ड्राइवर भी घायल हो गया घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पर किया गया है किसी के गंभीर घायल होने की सूचना नहीं है ।

विद्युत वितरण खंड के तीन अभियंताओं का स्थानांतरण

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के तहत कार्यालय विद्युत वितरण खंड मोलपुर, फर्रुखाबाद में तीन अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। अधीक्षण अभियंता अजय कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, निम्नलिखित अभियंता तत्काल प्रभाव से नए स्थानों पर कार्यभार ग्रहण करेंगे।

हरि कुमार सागर (11005203)ः सहायक अभियंता, विद्युत उपकेंद्र कयामगंज से स्थानांतरित कर विद्युत उपकेंद्र नवाबगंज, हरियाली पर तैनात। मुनेश आलम अंसारी (17602208)ः उपखण्ड अधिकारी हजरतपुर/ हुसैनपुर, विद्युत उपकेंद्र कायमगंज से स्थानांतरित कर विद्युत उपकेंद्र नवाबगंज, हजरतपुर/ हुसैनपुर पर नियुक्त।जावेद अहमद (17401138)ः विद्युत उपकेंद्र कयामगंज से स्थानांतरित कर विद्युत वितरण खंड, फर्रुखाबाद कार्यालय में नियुक्त। इस आदेश के अनुसार, अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से नए पदों पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरण आदेश जनहित याचिका संख्या 79/1997 के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार किया गया है। स्थानांतरित अभियंता को यात्रा भत्ता व पदभार ग्रहण करने का कोई अतिरिक्त लाभ नहीं दिया जाएगा। अतिरिक्त कार्यभार हेतु कोई वेतन भत्ता अनुमोदित नहीं

सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती कमलेश नदिनी, के कुशल निर्देश एवं मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता

अभियान का समापन समारोह, 06 अक्टूबर 2024 को जनपद पंचायत प्रतापपुर के मांगलिक भवन में आयोजित किया गया। इस आयोजन में स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, एन.आर.एल.एम और शिक्षा विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प, आई.सी.डी.एस. विभाग द्वारा पोषण मेला, कृषि विभाग द्वारा मृदा परीक्षण, एवं एन.आर.एल.एम विभाग द्वारा वोकल फ़ॉर लोकल के आकांक्षा ब्रांड उत्पादकों का स्टॉल लगा कर प्रमोट किया गया। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इसके साथ ही सम्पूर्णता अभियान से लाभान्वित नागरिकों ने अपनी सफलता की कहानी को साझा किया। इस समापन समारोह में सम्पूर्णता अभियान (4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक) के तहत चयनित 6 इंडिकेटर्स पर उत्कृष्ट कार्य हेतु ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को सी.ई.ओ. जिला पंचायत एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र दे कर प्रोत्साहित किया गया। इस आयोजन में अनुभागीय अधिकारी, ललिता भगत,मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राधेश्याम श्याम मिर्झा ,खण्ड शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी (समग्र शिक्षा), वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, उद्यान विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, -एनआरएलएम, बी.पी.एम एवं ए.बी.पी. फेलों -विनोद कुमार प्रजापति तथा बड़ी संख्या में ब्लॉक अधिकारी/कर्मचारीयों एवं आमनागरिकों की उपस्थित रही।

महुली स्टैंड चौक पर गिरा विशाल साल का पेड़ बाल बाल बचे ग्रामीण बड़ा हादसा टला

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - सूरजपुर जिले के चांदनी बिहार पुर के ग्राम पंचायत महुली बस स्टैंड चौक पर आज दोपहर लगभग 1ः00 बजे अचानक बिना आंधी तूफान का साल का पेड़ बिच सड़क पर गिर गया जहां बड़ा

घटना हो सकता था ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार महुली के बस स्टैंड चौक पर विशाल साल का पेड़ था जो की बिना आंधी तूफान का बिच सड़क मे अचानक गिर गया उस समय पेड़ के नीचे और आसपास कोई नहीं था इसलिए बाल बाल बच गए और बढ़ा हादसा होने से टल गया मैन रोड होने के कारण वहां पर तथा स्कूल हॉस्पीटल होने से हमेशा वहां आना जाना लगा रहेता है आसपास चौक होने से घूमते फिरते रहते हैं और वहां भी आना-जाना लगा रहता है विसाल पेड़ होने के कारण बिच रोड मे गिरने से घंटो आवा गमन बंद रहा।

सागौर में निकली ऐतिहासिक धर्म रक्षा चुनरी एवं कलश यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सागौर में रविवार 6 अक्टूबर को ऐतिहासिक चुनरी एवं कलश यात्रा नरसिंह मंदिर से छोटी सागौर तक निकली ।यह धर्म रक्षा चुनरी एवं कलश यात्रा के संयोजक एडवोकेट राजेश चौधरी द्वारा नगर में घर-घर आमंत्रण कार्ड व्हाट्सएप मोबाइल से फोन कर क्षेत्र की जनता को निमंत्रण दिया गया था ।इसके अलावा सेक्टर नंबर 1 से लेकर तीन तक लगातार समिति के सदस्य यात्रा को सफल बनाने के लिए आमंत्रित किया। चुनरी यात्रा में चुनरी और कलश लेकर महिलाएं सिर पर रखकर लगभग 2 किलोमीटर दूरी तय करके कालिका मंदिर छोटी सागौर पहुंची । यात्रा में 5000 से भी अधिक महिला पुरुष शामिल हुए। माहाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। चुनरी यात्रा में प्रमुख रूप से संत श्री सीताराम , धार सांसद सावित्री ठाकुर के पुत्र दीपक ठाकुर, राजीव यादव, कैलाश रघुवंशी ,अंतर सिंह नागर, देवेंद्र पटेल ,हेमंत पटेल ,प्रदीप द्विवेदी , विजय सिंह रघुवंशी,अर्जुन धाकड़ ,सुरेश सुनेर ,लखन चौधरी, सहित आसपास क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे।

सागौर में निकली ऐतिहासिक धर्म रक्षा चुनरी एवं कलश यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सागौर में रविवार 6 अक्टूबर को ऐतिहासिक चुनरी एवं कलश यात्रा नरसिंह मंदिर से छोटी सागौर तक निकली ।यह धर्म रक्षा चुनरी एवं कलश यात्रा के संयोजक एडवोकेट राजेश

चौधरी द्वारा नगर में घर-घर आमंत्रण कार्ड व्हाट्सएप मोबाइल से फोन कर क्षेत्र की जनता को निमंत्रण दिया गया था ।इसके अलावा सेक्टर नंबर 1 से लेकर तीन तक लगातार समिति के सदस्य यात्रा को सफल बनाने के लिए आमंत्रित किया। चुनरी यात्रा में चुनरी और कलश लेकर महिलाएं सिर पर रखकर लगभग 2 किलोमीटर दूरी तय करके कालिका मंदिर छोटी सागौर पहुंची । यात्रा में 5000 से भी अधिक महिला पुरुष शामिल हुए। माहाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। चुनरी यात्रा में प्रमुख रूप से संत श्री सीताराम , धार सांसद सावित्री ठाकुर के पुत्र दीपक ठाकुर, राजीव यादव, कैलाश रघुवंशी ,अंतर सिंह नागर, देवेंद्र पटेल ,हेमंत पटेल ,प्रदीप द्विवेदी , विजय सिंह रघुवंशी,अर्जुन धाकड़ ,सुरेश सुनेर ,लखन चौधरी, सहित आसपास क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे।

प्राचीन गढ़वतिया धाम में सुविधाओं का अभाव,चैत्र व शारदीय नवरात्र में दर्शन के लिए उमड़ते हैं श्रद्धालु

भक्तों को रही परेशानी प्रशासन की उदासीनता से प्राचीन मूर्तियां हो रही हैं नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - बिहारपुर। चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के महली गांव में स्थित गढ़वतिया मां दुर्गा का मंदिर में सुविधाओं का अभाव होने से माता भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय से 125 किमी दूर स्थित ग्राम महुली के गढ़वतिया पहाड़ पर मां अष्टभुजी का दरबार है। यहां चैत्र व शारदीय नवरात्र में मेले का आयोजन भी किया जाता है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां न तो बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था है। यहां तक कि मां के धाम तक पहुंचने के लिए रास्ता का भी अभाव है। विदित हो कि ग्रामीणों ने कुछ साल पहले सहायता राशि इकट्ठा कर सीढ़ी बनायी थी, लेकिन

है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ हर रोज माता के दरबार में आते है, उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बताया कि माता के भक्त श्रद्धा भाव से जो भी अर्पण करते है, माता का केंद्र यह है कि यहां प्राचीन मूर्तियां है, लेकिन प्राचीन मूर्तियां संरक्षण माता के धाम में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराने की मांग की है। शिलालेख और लक्ष्मण पंजा, चपदा गांव की गुफा, जोगी माड़ा, कुदरगढ़ भंडार-गढ़वतिया पहाड़ में प्राचीन मूर्तियों का भंडार है, लेकिन संरक्षण व्यस्त बिखरी हुई हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मूर्तियों के संरक्षण व मूलभूत स्थल होने के बावजूद भी अभी तक प्रशासन ने न तो बिजली की व्यवस्था पहाड़ पर चढ़ने के लिए सीढ़ियों का भी अभाव है। ग्रामीणों ने मंदिर को मांग की है पत्थरों के स्तंभों पर बना है शिवलिंग पहाड़ी पर काले पत्थरों वह भी आधी-अधूरी होने से समस्या जस की तस बनी हुई उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां जो भी भक्त गढ़वतिया धाम के मुख्य पुजारी सोमारसाय व जगमोहन ने उनकी मनोकामना जरूर पूरी करती हैं। इस धाम का आकर्षण के अभाव में टूटी पड़ी हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से धरोहर में महुली के गढ़वतिया पहाड़, सीता लेखनी पहाड़ के के शैलचित्र शामिल हैं। पहाड़ पर है प्राचीन मूर्तियों का के अभाव में बहुत सारी मूर्तियां टूट चुकी हैं और अस्त- सुविधाओं की व्यवस्था करवाने की मांग की है। दर्शनीय की है और न ही पानी की कोई व्यवस्था है। इसके साथ ही दर्शनीय स्थल घोषित कर पुरातत्व विभाग को सौंपने की में बने शिवलिंग भी हैं, यहां इस तरह के लगभग 100 से अधिक पत्थर हैं। जब इन स्तंभों देखने पर पता चलता है कि काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों के मध्य भाग में शिवलिंग बने हुए हैं। इसके दोनों ओर उमा महेश के दो उपासक वंदना की मुद्रा में दिखाए गए हैं। उनके ठीक ऊपर अभय की मुद्रा में हाथ उत्कीर्ण है। हाथ के दोनों ओर सूर्य और चांद की आकृति बनी हुई है और सबसे ऊपरी सिरे पर कलश की आकृति बनी हुई है। इनकी विशेषताओं के आधार इनका निर्माण काल संभवत: 9वीं सदी से 12वीं सदी के बीच का माना जा सकता है। दसवीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष भी मिले- जिले के बिहारपुर क्षेत्र के गढ़वतिया पहाड़ी पर कई सदी पुराने स्तंभ मिले हैं, पहाड़ के नीचे खाई में ऐसे कई अवशेष बिखरे पड़े हैं। काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों में कुछ तो सही स्थिति में है, लेकिन कुछ जानकारी व सुरक्षा के अभाव में नष्ट होते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पुरातात्विक राजा बालम ने बनवाया था किला और मंदिर मां गढ़वतिया धाम के संबंध में सोमार साय बैगा ने बताया कि पहाड़ पर शिव, गणेश, हनुमान, महिषासुर मर्दनी की मूर्ति भी देखने को मिलती हैं। इसे देखकर लगता है कि यहां कोई प्राचीन गढ़ रहा होगा। इसलिए इसका नाम गढ़वतिया पहाड़ पड़ा। मान्यता है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर राजा बालम ने किला व मंदिर बनवाया था। राजा खैरवार जाति के थे, इसलिए पहाड़ी देवी की पूजा खैरवार जाति के बैगा ही करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जलालाबाद में भरत मिलाप लीला पर अतिथियों ने सभी कलाकारों को पुरस्कार दे सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली,जलालाबाद। जिला शामली के जलालाबाद में चल रही लीला में आज रात्री में रामलीला मंच पर भरत मिलाप लीला का मंचन किया गया। बाहर से आये अतिथियोंगणों रामकुमार वर्मा एडवोकेट तथा नितिन एडवोकेट ने सभी

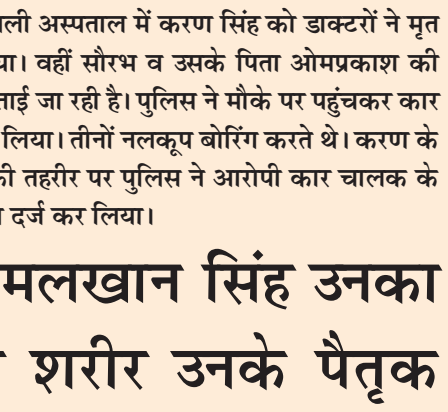

कलाकारों को पुरस्कार दे सम्मानित किया तथा लीला के महत्व को समझाया। रामलीला कमेटी द्वारा भी अतिथियों का पटका तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कार्यकर्ता के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे और लीला का अन्नाद लिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार मजदूर करण सिंह की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना,शामली।शामली रोड पर कार की टक्कर से बाइक सवार मजदूर करण सिंह की मौत हो गई, जबकि पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव खुरगान निवासी 35 वर्षीय करण सिंह, ओमप्रकाश व उसका पुत्र सौरभ बाइक से शामली जा रहे थे। शामली रोड पर मन्ना माजरा के पास पीछे से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां गंभीर हालत के चलते तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शामली अस्पताल में करण सिंह को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं सौरभ व उसके पिता ओमप्रकाश की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार को कब्जे में ले लिया। तीनों नलकूप बोरिंग करते थे। करण के भाई मैनपाल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

शहीद मलखान सिंह उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव में पहुचा, ग़मगीन माहौल अंतिम संस्कार किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कैराना। लोकसभा क्षेत्र के गांव फतेहपुर (ननोता) के मलखान सिंह, वीर सपूत थे, जिन्होंने 1968 में भारतीय सेना के

एक ऑपरेशन में अपनी जान न्योछावर कर दी। आज उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव में लाया गया, जहां उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने का अवसर मिला। समाज सेवी मरगाका सिंह भी अंतिम संस्कार पर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। हम उनकी याद में गांव में समाधि स्थल और सड़क का नामकरण करने का प्रयास करेंगे। साथ ही, महामहिम राष्ट्रपति महोदया से उनको शहीद का दर्जा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। सैकड़ों की संख्या में लोगो मौजूद रहे।

Kolkata's Maa Phire Elo Museum is a wonderful confluence of art and faith, do visit this Durga Utsav

The festival of Durga Puja is celebrated with great pomp in India, but Kolkata's Durga Utsav is famous all over the world for its grandeur. One special thing here is that the Durga idols are preserved even after the festival. Yes, there is a special museum (Maa Phire Elo Museum) in this city where the best idols of Maa Durga are displayed. Durga Puja in Kolkata has also received the UNESCO Heritage tag some time ago. Beautiful idols of Maa Durga are preserved in Kolkata's 'Maa Phire Elo' Museum. The best Durga idols from pandals across the city are displayed in the museum. Kolkata's Durga Utsav is a festival that brings people together and connects them with their cultural heritage. This festival is a wonderful confluence of art, culture and faith. Durga idols not only have religious significance, but they are also a wonderful example of art. In making these idols, every artist displays his wonderful creativity and skill, which is why a devotee gets mesmerized on seeing it. Meanwhile, do you know that a special museum (Maa Phire Elo Museum) has been built in Kolkata to preserve Durga idols? Yes, the best Durga idols from pandals across the city are displayed here, so that people can enjoy seeing these artifacts throughout the year. A glimpse of Kolkata's Durga Puja - Located in the calm and beautiful environment of South Kolkata, within the Rabindra Sarovar complex, there is a museum which is a wonderful confluence of art and faith. Established in the year 2012, the 'Maa Phire Elo' Museum preserves some amazing artifacts and idols of Goddess Durga from the famous pandals of Kolkata. This museum is not limited to Durga idols only. Here you will also get to see captivating terracotta works, paintings and other artifacts. Through these artifacts, you can closely feel the rich heritage and artistry of Kolkata's Durga Puja. The museum displays artifacts of various Durga Puja committees including Kolkata's Nakatla Udayan Sangha and Bosepukur Talbagan. These committees are famous for their Durga idols and their artifacts have been specially kept here. As soon as you enter the museum, you feel that you are standing in a famous pandal of Kolkata. Kolkata's Durga Festival - Kolkata's Durga Festival is a unique experience in itself. Grand idols of Maa Durga are installed at more than 4,000 places in the city and are worshipped with great pomp. These idols are not only a symbol of religious faith but are also wonderful specimens of art. Imagine, you can see your beloved goddess even after Durga Puja? Actually, this idea came to the mind of some art lovers and they started efforts in this direction. In such a situation, a few years ago a museum was established where the attractive artifacts displayed during Durga Puja are preserved.

If you are also a cake lover then be careful! Cancer agent found in 12 cakes including Red Velvet

Whatever the occasion, people often cut cakes to celebrate happy moments. Red Velvet and Black Forest are favorite cakes of many people. However, recently a shocking report has come out from Bengaluru regarding these. This report has revealed that cancer causing agents have been found in 12 types of cakes like Red Velvet. Cakes are often cut on the occasion of many celebrations. People who are fond of eating sweets also often like to eat cakes or pastries. However, a recent report revealed that some cakes increase the risk of cancer. There is hardly anyone who does not like to eat cakes. Be it a birthday, anniversary or any happy occasion, people definitely cut cakes to celebrate these moments. At the same time, people who are fond of eating sweets also often eat cakes or pastries. These days, many types of cakes are available in the market, which people like to eat according to their choice.

Red Velvet and Black Forest are two such varieties of cakes, which many people eat with great fondness. However, recently a shocking report has come out about this. Recently, harmful agents that cause cancer have been found in samples of 12 types of cakes sold in various bakeries of Karnataka. After this shocking report came out, the Karnataka government has issued a warning in this regard. This warning was issued after months of investigation for food security in Karnataka. Let's know about this report in detail - What does the report say? - According to the report, harmful chemicals have been identified in some of the cake samples examined, which can cause cancer. Food Security Commissioner Srinivas K has warned bakeries across the state about the use of unsafe chemicals and additives. Of the 235 cake samples tested, 12 were found to contain artificial colours such as Allura Red, Sunset Yellow FCF, Ponceau 4R, Tartrazine and Carmoisine, all of which were present in quantities that were higher than the prescribed safety limits. Cancer causing agent found in these cakes - Concerns have increased after these chemicals were found in cakes like Red Velvet and Black Forest. These chemicals can cause cancer and other serious health risks. Also, excessive use of these additives can have a negative impact on mental and physical health. How do artificial colours pose a risk of cancer? - Research conducted on animals has indicated that some artificial colours may increase the risk of cancer. In animal studies with high doses, an increase in brain tumours was observed. Erythrosine, a controversial red colour, contributes to increased cases of thyroid tumours in rats. Apart from this, colors like Red 40, Yellow 5 and Yellow 6 may contain carcinogenic impurities like benzindene, 4-aminobiphenyl and 4-aminoazobenzene, which have been found to cause cancer in various research studies. However, experts have warned that the findings of animal research have no relation to the risks for humans. Let us tell you that earlier in Bengaluru too, due to health concerns, the use of artificial colors like Rhodamine-B was banned in street food like cotton candy and "Gobi Manchurian".

Spread the magic of your beauty with the orange color of Navratri

The fourth day of Shardiya Navratri 2024 is on October 6. On this day, Goddess Kushmanda is worshiped and orange color (Navratri 2024 Dress Color) is considered auspicious. Therefore, wearing orange colored clothes on this day is considered beneficial. You can also prepare a special look for Navratri by taking ideas from these Bollywood actresses. Orange color is considered auspicious on the fourth day of Navratri. On this day you can wear an orange colored sari or any other dress. You can also take ideas for this look from Sage. The fourth day of Shardiya Navratri 2024 is on October 6. On this day, Goddess Kushmanda is worshiped. Goddess Kushmanda is considered the source of energy of the universe. On this day, the Goddess is worshiped to please her. Like every day of Navratri, a special color has been chosen for this day as well. On the fourth day of Navratri (Navratri 2024 Day 4), wearing orange clothes (Navratri Orange Clothes Attire) is considered auspicious. That's why we have brought some looks inspired by Bollywood actresses for you, with the help of which you can also style your look. Look-1This orange saree of Katrina Kaif is very beautiful and light weight, which can be easily carried and it is also quite glamorous. You can also wear a saree of this design, with which green earrings, light makeup and open hair will look very good. This saree of Katrina is also very light weight and looks very beautiful. The look of this saree is coming out very well with very little embroidery. If you want, you can carry such a see-through saree. A V-neck design blouse will look very good with it. Complete your look with earrings, bindi and nude makeup. Look-3This saree of Alia Bhatt is a mixed confluence of yellow, red and orange. You can also wear a saree of this design on the fourth day of Navratri. With this look, wear a bun, nude makeup and heavy earrings. You will look very beautiful in this look. Look-4Forever Beauty Rekha's orange silk saree is also very beautiful. If you want, you can also wear an orange silk saree. With this, keep the look completely traditional and wear a long necklace, earrings and bangles. If you want, you can complete your look by applying bold red lipstick like Rekha. Look-5If you do not want to wear a saree, then you can wear a light weight lehenga like Sara Ali Khan. This lehenga is decorated with printed design and its blouse is embroidered. You can also try such a design. Not only this, if you want, you can also wear this lehenga for Garba night.

Akshay Kumar's Khel Khel Mein will be released on OTT on these days, Netflix will have a full comedy tadka

Akshay Kumar's film Khel Khel Mein could not do anything special at the box office. The film was released on 15 August and there was a clash of two big films Stree 2 and Veda with it.

Now the makers have high hopes from its OTT release (Khel Khel Mein OTT release). The film is going to be released on Netflix very soon. Mudassar Aziz is the director of the film

The film is adorned with many stars - The film will be released on Netflix Akshay Kumar's dark comedy Khel Khel Mein was released on 15 August on the occasion of Independence Day. However, Stree 2 and Veda were also released with this film, due to which Khel Khel Mein could not get such a good audience. Akshay Kumar's comedy movie has completely failed to live up to the expectations of the audience. The film failed at the box office- Apart from Akshay Kumar, actors like Fardeen Khan, Taapsee Pannu, Vaani Kapoor, Pragya Jaiswal, Amy Virk and Aditya Sehal appeared in lead roles in this movie. Director Mudassar Aziz had high expectations from his film, but when the film did not perform well, he was also very disappointed. In terms of box office collection, it failed to recover its budget. When will the film be released on OTT? - However, now there is a good news for those viewers who could not watch the film in theaters or are missing them. The film is going to be released on OTT very soon. The makers hope that the film will perform well on OTT. The film will be released on Netflix on October 9. What is the story of the film? Khel Khel is the story of three married couples with different personalities. The film shows that Rishabh Malik, who is a plastic surgeon and known for dishonesty, decides to divorce his wife Vartika Malik. A family function brings together everyone to play a game that reveals their hidden secrets.

'Chulbul Pandey' will break the bones of enemies, the curtain has been raised on Salman Khan's character in Varun's Baby John!

Varun Dhawan is in the headlines these days for his film Baby John. All the looks of Varun that have come out so far from this movie produced by Atlee have been liked by the fans. It was reported for a long time that Salman Khan will have a cameo in the movie. Now finally it has been revealed what kind of character he will play in the action thriller. Salman's character in Baby John will be something like this - Bhaijaan will eat up Varun's role with his cameo - Varun's 'Baby John' will be released at the end of this year Salman Khan is working on one big project after another these days. His controversial show Bigg Boss is going to be telecast on television from tomorrow i.e.

Sunday. For which there is already a lot of enthusiasm among the audience. Apart from this, he is shooting for the film 'Sikander' directed by AR Murugadoss, which will be released in theaters on the occasion of Eid in the year 2025. However, even before this, Salman Khan is going to knock on the big screen. He will be seen in Varun Dhawan's most awaited film 'Baby John'. He has a cameo in this film produced by 'Jawaan' director Atlee. Now recently, information has also come out about what kind of character Salman Khan is going to play in the movie. Salman Khan's character in Baby John will be like this - A page named Cinehub has unveiled the character of Dabangg Khan in 'Baby John' on its X account. While sharing the information, he told that Salman Khan will play the role of a stylish police officer in Varun Dhawan's film 'Baby John'. South's famous director Atlee himself has taken the responsibility of shooting his fight sequence on his shoulders. That sequence of Sikandar actor's Baby John is going to be very exciting and mass level. Let us tell you that whenever Salman Khan has appeared as a police officer, the audience has liked him very much. Apart from Salman Khan, this actress also has a cameo - Not only Salman Khan, 'Dangal' actress Sanya Malhotra is also doing a cameo in Varun Dhawan's film 'Baby John'. Let us tell you that this film is being directed by Kalees, who is a well-known Tamil director, he has made a film called 'Key'. Baby John can be the first pan India release film of Varun Dhawan's career, in which he is playing the role of a former police officer. This film will hit the theaters on December 25 this year.

FIR writer called Kapil Sharma Show the worst, said- 'Not Kapil but other characters are running the show'

Amit Aryan, who wrote the FIR show, has given a shocking statement on famous comedian Kapil Sharma and his show. He has called Kapil Sharma Show the worst show in the history of Indian comedy. Not only this, Amit Aryan has said something for Kapil Sharma, hearing which comedians might get furious. Kapil Sharma has been running comedy show since 2013 TV writer took a dig at Kapil Sharma - called Kapil Sharma Show a vulgar show. Kapil Sharma's comedy show has been ruling the hearts of the audience for the last 11 years. Even though the medium, cast and name of the show have changed with time, the craze among the people is still not over.

These days Kapil Sharma's show The Greatest Indian Kapil Show is running on Netflix. Meanwhile, a writer has expressed his displeasure over this comedy show. Writer Amit Aaryan, who wrote the famous comedy show FIR and the film ABCD, has called Kapil Sharma Show vulgar and the worst show in the history of Indian comedy. Kapil Sharma Show called the worst - In a conversation with Digital Commentary, Amit said, "The Kapil Sharma Show is the worst show in the history of Indian comedy.

This may seem controversial but I have the right to say this because I am more experienced than Kapil Sharma, Kiku Sharda and Krishna Abhishek." Are women insulted? Amit Aryan has called the Kapil Sharma Show vulgar and said that women are insulted in the show. The writer said, "Women should be respected. She (Krishna Abhishek's character Sapna) only says vile things." Amit said that the humor in the show is very bad. Sarcastic remark on Kapil Sharma - Apart from the show, Amit Aryan has also taunted Kapil Sharma. He said that Kapil is not running the show alone. He is nothing without his cast. He said, "If you watch Kapil Sharma's show carefully, you will find that the show is being run not by Kapil but by other characters. He also released a show on Netflix called Kapil Sharma: I'm Not Done Yet. No one watched that show because no one was interested in what he said."